1ST RANK IN UP BY
SANSKRITI SCHOOL OF TOURISM AND HOSPITALITY
SANSKRITI UNIVERSITY AWARDED
हिन्दुस्तान शिक्षा शिखर सम्मान
STUDENT DIVERSITY & YOUNG UNIVERSITY IN INFRASTRUCTURE & RESEARCH
SANSKRITI UNIVERSITY FOR EXCELLENCE IN LIFE
SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
Established Under Section 2(f) of UGC Act, 1956
6TH RANK IN UP BY
SANSKRITI SCHOOL OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
RANKED AMONG TOP 15TH UNIVERSITIES IN INDIA BY INDIA TODAY ASPIRE
SANSKRITI UNIVERSITY

संस्कृति विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनी लोहड़ी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रांगण में शुक्रवार की रात को छात्र–छात्राओं ने जमकर नाच–गानों के साथ लोहड़ी का त्योहार मनाया। नाचते हुए जलती हुई अग्नि के चक्कर लगाए और सामूहिक रूप से पारंपरिक गीत 'सुंदर मुंदरिये नी' गाया।

छात्र–छात्राओं ने लोहड़ी की तैयारियां सुबह से ही शुरू कर दी थीं। मैदान में लकड़ियां एकत्र कर लोहडी तैयार की गई थी। पारंपरिक तौर पर लोहड़ी फसल की बुवाई और उसकी कटाई से जुड़ा एक विशेष त्योहार है। इस मौके पर पंजाब में नई फसल की पूजा करने की परंपरा है। इस दिन चौराहों पर लोहड़ी जलाई जाती है। इस आग के पास पुरुष लोग भांगड़ा करते हैं, वहीं महिलाएं पंजाब का प्रसिद्ध नृत्य गिद्दा करती हैं। इस दिन तिल, गुड़, गजक, रेवड़ी और मूंगफली का भी खास महत्व होता है। विश्वविद्यालय में पंजाबी छात्र–छात्राओं में सुबह से ही त्योहार को लेकर विशेष उत्साह था। उनके साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी समान रूप से मिलकर त्योहार मनाया।

विश्वविद्यालय के एकेडमिक डीन डा. हरवीर सिंह ने लोहड़ी में अग्नि प्रज्ज्वलित की और इसी के साथ ही छात्र–छात्राओं ने नृत्य करना शुरू कर दिया। दोपहरभर विद्यार्थियों ने जमकर नृत्य किया। रात के साथ ही भांगड़ा की धमाचौकड़ी शुरू हो गई। सभी ने एक दूसरे को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं। विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने सभी को लोहड़ी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये त्योहार हमारे जीवन में उत्साह और जीवंतता भरते हैं। हम सभी को एक साथ मिलकर त्योहारों में भाग लेना चाहिए। इस मौके पर संस्कृति स्कूल आफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंस के डीन डीएश तौमर, होटल मैनेजमेंट के डीन रतीश शर्मा, फैकल्टी डा. दुर्गेश वाधवा, ट्रेनिंग सेल की सीनियर मैनेजर अनुजा गुप्ता, एडमिनिस्ट्रेटिव रजिस्ट्रार तुषार शर्मा आदि विवि के अनेक अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे और पूरे जोश और आस्था के साथ लोहड़ी त्योहार मनाया।

******

संस्कृति विवि में लोहड़ी मनाते विद्यार्थी, अग्नि के चारों ओर नृत्य करते हुए।

भारत सबसे बड़ी युवा शक्ती, विश्व का सिरमौर बनेगा

संस्कृति विवि में जोश और उल्लास के साथ मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में देश का 74वां गणतंत्र दिवस बड़े जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। विवि के मुख्य मैदान में झंडारोहण करते हुए कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति है, दुनिया का सिरमौर बनेगा। देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में है और हमारा देश तेजी से तरक्की करते हुए दुनिया की बड़ी ताकतों में शामिल हो रहा है।

डा. गुप्ता ने कहा कि हम विश्वविद्यालय को इतना साधन संपन्न बना देना चाहते हैं ताकि हमारे विद्यार्थी दुनिया में देश का परचम फहरा सकें। मात्र छह साल में विवि ने शिक्षकों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत के दम पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वह वह स्थान हासिल किया है कि जिसको हासिल करने में किसी शिक्षण संस्था को वर्षों लग सकते थे। आज हमारे यहां कई स्टार्टअप चल रहे हैं, जिनकी आर्थिक मदद सरकार कर रही है। इन्कयूबेशन सेंटर से विद्यार्थी तरक्की के मार्ग तय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। आपको मौका मिल रहा है देश को आगे ले जाने का। हमारा फोकस है कि लोगों का स्वास्थ्य अच्छा हो, कृषि के क्षेत्र में ऐसे अनुसंधान हों जो भारत की कृषि को विश्व में सर्वोच्च स्थान दिला सकें। इस मौके पर कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता, कुलपति प्रोफेसर एनबी चेट्टी, ओसडी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने संस्कृति विवि के अनूठे और भारतीय प्राचीन ऋषियों की उपलब्धियों पर आधारित सुंदर कलेंडर जारी किया।

गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। इस मौके पर देशभक्ति से सराबोर रंगारंग कार्यक्रम विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं ने प्रस्तुत कर सर्द माहौल में गर्मी ला दी। इन कार्यक्रमों में छात्रा हरिप्रिया उनके साथियों ने गीत, दीक्षा और उनके साथियों ने इक्रेडेबिल इंडिया की थीम पर आधारित नृत्य नाटिका, च्येष्ठा एवं उनके साथियों ने मिश्रित गीत, निरल उनके साथियों ने देश मेरा गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर देशभक्ती से वातावरण ओतप्रोत कर दिया। इसके साथ ही डाली एवं उनके साथियों, उपासना एवं साथी, मुस्कान, खुशी, निमिशा, संतोष ने अपनी प्रस्तुतियों पर सबको ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। छात्र साजिद, जुनैद और मनीष की कविताओं ने लोगों में जोश का संचार किया तो फैकल्टी प्रद्युम्न द्वारा गाए गीत ने सबको भावुक कर दिया। कार्यक्रम का संचालन और व्यवस्था में सुश्री अनुजा गुप्ता, डा. दुर्गेश वाधवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

******

संस्कृति विवि में 74वें गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता।

संस्कृति विवि में मना 'राजस्थानी फूड फेस्टिवल', सबने लिए चटखारे

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटेलिटी के द्वारा 'राजस्थानी फूड फेस्टिवल' का आयोजन किया गया। राजस्थान के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने सभी स्कूलों के डीन, फैकल्टी, संस्कृति विवि के छात्र–छात्राएं और कर्मचारी संस्कृति स्कूल आफ होटल मैनेजमेंट के रेस्टोरेंट पहुंचे। दाल–बाटी और चूरमा के स्वाद के चटखारे लेते हुए सबने स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा बनाए व्यंजनों की जमकर तारीफ की।

संस्कृति विवि के एकेडमिक डीन डा. हरवीर सिंह ने 'राजस्थानी फूड फेस्टिवल' का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। होटल मैनेजमेंट विभाग में स्थित रेस्टोरेंट को राजस्थानी परिवेश में सजाया गया था। कहीं कठुपुतलियों का नाच हो रहा था तो कहीं नगाड़े बज रहे थे।

वेटर का काम कर रहे छात्र–छात्राएं राजस्थानी पोषाक धारण कर सबको राजस्थान के माहौल से परिचित करा रहे थे। स्कूल के छात्र–छात्राओं ने स्वादिष्ट राजस्थानी प्रसिद्ध दाल–बाटी, चूरमा, लड्डू, सुगंधित छाछ, खुरमा, पापड़ और गट्टे की सब्जी, बाजरे, मक्के और चने की रोटियां, खुरमा बनाकर सबको अपने हुनर से अभिभूत कर दिया। सारे व्यंजन इतने स्वादिष्ट थे कि खाने वाले अपनी उंगलियां चाट रहे थे।

संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पेलिटी के डीन रतीश कुमार शर्मा ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक भोजन से परिचय कराने के लिए उनके विशेष खान–पान से जुड़े फेस्टिवल आयोजित किये जाते हैं।

इन फेस्टिवल के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने हुनर को साबित करने का मौका मिलता है और वे अपनी कमियों को जान पाते हैं। 'राजस्थानी फूड फेस्टिवल' में शेफ साहिल रोहतगी, असिस्टेंट प्रोफेसर एफ एंड बी मनोज शर्मा, अमिषा श्रीवास्तव हाउस कीपिंग, मोहित रस्तोगी, छात्र आर्य वर्धन, उमेश ऋतिक, सृष्टि, करिश्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

******

संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटेलिटी द्वारा आयोजित 'राजस्थानी फूड फेस्टिवल' में भोजन का स्वाद लेते लोग।

संस्कृति विश्वविद्यालय वि में 'इंजीनियरिंग में नवोन्मेश का महत्व' पर हुई सेमिनार

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड इन्फोर्मेशन टेक्नोलाजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में नवोन्मेष' विषय को लेकर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में नवोन्मेश (इनोवेशन) के महत्व के बारे में विस्तार से बात की गई साथ ही इंजीनिरिंग के विद्यार्थियों के लिए यह क्यों आवश्यक है, इस बारे में बताया गया।

सेमिनार के मुख्य वक्ता के रूप में अनुज कुमार जाइंट कमिश्नर इंडस्ट्री आगरा ने विद्यार्थियों को बताया कि वो संस्थान जो इनोवेशन के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, किन–किन समस्याओं का सामना करते हैं और इन समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने नवोन्मेष के लिए नई तकनीकियों के इस्तेमाल की जरूरत बताते हुए कहा कि इनके इस्तेमाल से कई समस्याओं का निदान किया जा रहा है। उन्होने कहा कि ईजी डाटा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, सिस्टम आर्किटेक्चर, ब्लाक चेन ऐसी आधुनिक तकनीकियां हैं जिनका आधुनिक बाजार बड़ी तेजी से उपयोग कर अपने व्यापार में इजाफा कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग देने वाली अनेक एजेंसियों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्कृति विवि जैसे कुछ संस्थान हैं जिनमें इंक्युबेशन सेंटर के माध्यम से फंडिंग की जा रही है और शोध तथा इनोवेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्री आगरा अनुज कुमार के अलावा सेमिनार के विशिष्ठ अतिथि जीरो इनर्जी सोल्युशन नोएडा के सीईओ पंकज कुमार गुप्ता ने अनेक उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इनोवेशन की आवश्यकता और जरूरत के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। सेमिनार में प्रश्नकाल के दौरान ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्री आगरा अनुज कुमार ने विद्यार्थियों और फैकल्टी की अनेक जिज्ञासाओं का अपने जवाबों से समाधान किया। सेमिनार में मौजूद संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर डा. एमबी चेट्टी ने विद्यार्थियों से सेमिनार में मिली महत्वपूर्ण जानकारियों का लाभ उठाने की अपेक्षा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। संस्कृति प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल की सीनियर मैनेजर अनुजा गुप्ता ने ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्री आगरा अनुज कुमार और जीरो सोल्युशन नोएडा के सीईओ पंकज गुप्ता का परिचय देते हुए उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समन्वयक मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष विंसेंट बालू ने विद्यार्थियों को नवोन्मेष और इसके लाभ के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। सेमिनार का आयोजन इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और आईईईई के सहयोग से किया गया था।

संस्कृति विवि के सभागार में आयोजित सेमिनार में उपस्थित अनुज कुमार जाइंट कमिश्नर इंडस्ट्री आगरा, विशिष्ठ अतिथि जीरो इनर्जी सोल्युशन नोएडा के सीईओ पंकज कुमार गुप्ता, संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर डा.एमबी चेट्टी।

संस्कृति आयुर्वेद मेडिकल के विद्यार्थियों ने किया केरल का शैक्षणिक भ्रमण

मथुरा। संस्कृति आयुर्वेद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने केरल के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान केरल में दी जा रही विश्वप्रसिद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सा और प्राचीन चिकित्सा के तरीकों एवं विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियों के बारे में विशेषज्ञ चिकित्सकों से ज्ञानवर्धन किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक एवं आधुनिक स्थलों को भी देखा।

संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के विद्यार्थियों का यह दल प्राचार्य डा. सुजित कुमार दलाई के नेतृत्व में 10 दिन के शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचा था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने केरल के कोट्टक्कल चौरिटी अस्पताल, संग्रहालय और फार्मेसी, वैद्यरत्नम फार्मेसी, आयुर्वेद संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र और तिरुवनंतपुरम के सरकारी आयुर्वेद महाविद्यालय का अवलोकन किया।

विद्यार्थियों ने यहां विभिन्न विभागों के बाह्यरोग विभाग, औषाधि निर्माण यूनिट, पंचकर्म के उपकरण, चिकित्सा और अन्य अस्पताल सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की।

विद्यार्थियों ने जड़ी बूटी की पहचान, उनको तैयार करने के प्राचीन तरीकों और पंचकर्म के उपयोगी प्रयोग को समझा और वहां के चिकित्सकों से सवाल कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने पी.एस. वारियर हर्बल गार्डन, पालोड में स्थित एशिया के सबसे बड़े कंजर्वेटरी गार्डन जवाहरलाल नेहरू बॉटनिकल गार्डन और स्नेक पार्क को भी देखा। यहां विद्यार्थियों को आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों की कई लुप्तप्राय प्रजातियों को और अगद तंत्र विभाग में शामिल सांपों की विभिन्न प्रजातियों को देखने का और जानकारी प्राप्त करने का अवसर भी मिला।

विद्यार्थियों ने भ्रमण के दौरान केरला की संस्कृति के बारे में भी जाना और श्रीपद्मनाभ स्वामी मंदिर का भी दौरा किया।

******

संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज के विद्यार्थियों का दल केरल के आर्य विद्या साला कोटक्कल में जड़ी–बूटी गार्डन में।

175+
Companies
Visited

89%
Students
Placed

54 Lakh
Highest
Package

संस्कृति मेडिकल कालेज में छात्रों ने जाने हीट बर्न थैरेपी के लाभ

मथुरा। संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में 'अग्निकर्म– इंटेन्शनल थेराप्यूटिक हीट बर्न थेरेपी' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने थेराप्यूटिक हीट बर्न थैरेपी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि इस आयुर्वेदिक थैरेपी के द्वारा दर्द निवारण, आस्टियो अर्थराइटिस, स्पांडलाइटिस जैसी बीमारियों का निदान में किया जाता है।

भुवनेश्वर(उड़ीसा) से आए आयुर्वेद के शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डा.अन्नदा प्रसाद दास ने थेराप्यूटिक हीट बर्न थैरेपी के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी देते हुए अग्निकर्म प्रक्रिया की मूल अवधारणा से परिचित कराया।

उन्होंने बताया कि यह एक पैरामेडिकल प्रक्रिया है जिसका वर्णन आचार्य सुश्रुत ने किया है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की अग्निकर्म विधि से जोड़ों के दर्द से छुटकारा मिल सकता है। इस विधि के प्रयोग से किसी तरह का कोई नुकसान शरीर को नहीं पहुंचता है। अधिकांश लोगों को इस पद्धति की खासियतों के बारे में जानकारी नहीं है इसलिए वे दर्द से लंबे समय तक जूझते रहते हैं।

उन्होंने बताया कि जोड़ों के दर्द से छुटकारा दिलाने में 'अग्निकर्म' बहुत उपयोगी है। इस विधि से सर्वाइकल स्पांडिलाइटिस, कमर दर्द तुरंत कम करने के लिए पंच लौह सलाका (सोना, चांदी, तांबा, वंग एवं लोहा द्वारा निर्मित) से सेंकाई की जाती हैं।

बताया कि अगर अधिक दर्द तो प्रतिदिन अन्यथा कम दर्द होने पर सप्ताह में एक या दो दिन इस विधि का प्रयोग करना जरूरी है। यह पक्रिया दर्द को दूर करने, मस्से, तिल को दूर करने, टेनिस एल्बो, बवासीर, फ्रोजन शोल्डर और कई बीमारियों में फायदेमंद है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और धन्वंतरि पूजन से हुई। संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर एमबी चेट्टी और संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) सुजित कुमार दलाई ने आयुर्वेद और अग्निकर्म के महत्व प्रकाश डाला।

शल्य तंत्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सायंतन ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अन्नदा प्रसाद दास का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। उनके ज्ञान से बीएएमएस के लगभग १०० छात्र और २५शिक्षक लाभान्वित हुए।

अग्निकर्म के व्यावहारिक पहलू पर एक सत्र भी आयोजित किया गया था। बीएएमएस द्वितीय वर्ष और अंतिम वर्ष के छात्रों को अग्निकर्म प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण सत्र श्याम ५ बजे तक चला जिसमें घुटने के दर्द, ओस्टियो अर्थिरिटिस, श्याटिका, फ्रोजन शोल्डर आदि से पीड़ित २६ रोगी इस उपचार से लाभान्वित हुए।

सुधिष्ठ कुमार मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्र के संचालन और प्रबोधन में प्रोफेसर (डॉ.)दील्लिप पती, डॉ. सायंतन, डॉ सुरभि, डॉ. एकता, डॉ. करण, डॉ. आदित्य और डॉ. हरिमोहन ने सहयोग कियाद्य

******

एक दिवसीय कार्यशाला में आए देश के विशेषज्ञ चिकित्सक

आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में 'अग्निकर्म– इंटेन्शनल थेराप्यूटिक हीट बर्न थेरेपी' पर एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डा.अन्नदा प्रसाद दास विद्यार्थियों को अग्निकर्म विधि का व्यवहारिक ज्ञान देते हुए।

संस्कृति विवि शिक्षा के क्षेत्र में और तेजी से कदम बढ़ाएगा: डा.गुप्ता

संदेश जारी कर सभी को दीं नववर्ष की शुभकामनाएं

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए जारी किए अपने एक संदेश में कहा है कि आने वाले वर्ष में संस्कृति विवि शिक्षा के क्षेत्र में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए और तेज गति से कदम बढाएगा।

डा. गुप्ता ने अपने संदेश में जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय कृषि और किसानों के लिए हर संभव सहयोग उपलब्ध कराएगा। कृषि के क्षेत्र में हमारे युवा विद्यार्थी देश को और समृद्ध कर सकते हैं। संस्कृति विवि को इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च(आईसीआर) से मान्यता मिल चुकी है। विवि में एग्री क्लीनिक भी शुरू हो चुका है। अब विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में स्वयं का रोजगार शुरू करना आसान हो गया है। इसके लिए सरकार से आर्थिक सहायता भी उपलब्ध होगी और नई शोध के अवसर भी मिल सकेंगे। प्रदेश में संस्कृति विवि दूसरा ऐसा विवि है जिसको यह मान्यता मिली है।

संदेश में कहा गया है कि संस्कृति विवि में हो रहे शोधों और स्टार्टअप ने विवि को देश में एक बड़ी पहचान दी है। विवि की देखरेख में इस समय 10 स्टार्टअप संचालित हो रहे हैं। पेटेंट दाखिल करने के मामले में भी विश्वविद्यालय निरंतर ऊंचाईयां हासिल कर रहा है। जहां पहले विवि पेंटेंट दाखिल करने वाले शिक्षण संस्थानों में सातवें नंबर पर था वहीं अब यह पांचवें नंबर पर आ गया है।

डा. गुप्ता ने संदेश में बताया है कि आयुर्वेद के क्षेत्र में संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज निरंतर लोगों को प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति जिसे अब सारा विश्व स्वीकार कर चुका है, के बारे में जागरूक कर रहा है। संस्कृति विवि में शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय स्तर का वेलनेस सेंटर असाध्य रोगों से मुक्ति दिलाने में निरंतर काम कर रहा है। प्रशिक्षित और अनुभवी चिकित्सकों ने रोगों के निदान में कई चमत्कारिक परिणाम हासिल किए हैं।

संदेश में जानकारी देते हुए डा. गुप्ता ने बताया कि विद्यार्थियों के खेलने के लिए विश्वस्तरीय टर्फ के मैदान, मनोरंजन के लिए अत्याधुनिक सिनेमा गृह, जिम उपलब्ध हैं। इसके अलावा सभी सुविधाओं से युक्त 500 से अधिक सीटों वाला आडिटोरियम लगभग बनकर तैयार हो चुका है।

डा. गुप्ता ने एक बार फिर से सभी को नववर्ष की शुभकामनाए देते हुए कहा कि ब्रज में स्थापित आपका संस्कृति विवि दुनिया के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों की सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार है।

******

संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता

संस्कृति विश्वविद्यालय में मनाया गया 'पराक्रम दिवस'

जयंती पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया याद

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में 'पराक्रम दिवस' मनाया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से उनके देशप्रेम और पराक्रम से प्रेरणा लेने की अपेक्षा की। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से कहा कि नेताजी के सकारात्मक संदेश आपके मुश्किल दौर में हौसला बढ़ा सकते हैं।

संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डा. एनबी चेट्टी की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्वर के डीन डा. रजनीश ने विद्यार्थियों से कहा कि सुभाष चंद्र बोस देश के ऐसे स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं, जिनसे अंग्रेज कांपते थे। उन्होंने देशवासियों को कई संदेश दिए, जो देशवासियों को हमेशा प्रेरित करते हैं। आज पूरा देश उनकी 126वीं जयंती मना रहा है। उनके सकारात्मक संदेश आपके मुश्किल दौर में हौसला बढ़ा सकते हैं। नेताती का जन्म 23 जनवरी 1897 हो हुआ था. भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में 23 जनवरी को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है।

डा. रजनीश ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिन्द फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। ''तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा'' का नारा भी उनका था जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया।

डा. रजनीश ने बताया कि 21 अक्टूबर 1943 को बोस ने आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपीन्स, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड सहित 11 देशो की सरकारों ने मान्यता दी थी। जापान ने अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह इस अस्थायी सरकार को दे दिए। सुभाष उन द्वीपों में गए और उनका नया नामकरण किया। आजाद हिन्द सरकार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इतिहास में पहली बार वर्ष 2018 में भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किला पर तिरंगा फहराया। 23 जनवरी 2021 को नेताजी की 125वीं जयंती है जिसे भारत सरकार के निर्णय के तहत पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया ।8 सितम्बर 2022 को नई दिल्ली में राजपथ, जिसका नामकरण कर्तव्यपथ किया गया है , पर नेताजी की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया गया ।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृति विवि के सभी स्कूलों के डीन, विभागाध्यक्ष, फैकल्टी और विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ट्रेनिंग सेल की सीनियर मैनेजर अनुजा गुप्ता ने किया।

******

संस्कृति विवि के सभागार में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्वर के डीन डा. रजनीश त्यागी।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने ली ट्रैफिक नियमों के पालन की शपथ

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के सभागार में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक के नियमों की जानकारी देते हुए सड़क पर चलते हुए किस तरह से अपनी और अन्य राहगीरों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है, इस बारे में विस्तार से समझाया।

कार्यक्रम में मौजूद संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर एनबी चेट्टी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सड़क पर चलते हुए हमेशा ट्रैफिक के नियमों और कानूनों का अनुपालन करें। ऐसा करने से स्वयं की सुरक्षा तो होती ही है साथ ही दूसरे राहगीर, वाहन चालक भी सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से ही जाम की समस्या होती है, जिसके कारण सबका बहुत सारा बहुमूल्य समय नष्ट हो जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी ट्रैफिक मथुरा देवेश कुमार ने कहा कि ट्रैफिक के नियम और संशोधित नियम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रख कर ही बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी विद्यार्थी समाज का एक जागरूक तबका हैं, आपका दायित्व है कि आप स्वयं तो ट्रैफिक नियमों का पालन करें ही, साथ ही समाज के अन्य लोगों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करें।

सर्किल आफिसर छाता पुलिस गौरव त्रिपाठी ने कहा कि स्कूटर चलाते समय हेल्मेट का और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अवश्य प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ हेल्मेट लगाने से ही सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या बहुत कम हो जाती है। इस मौके पर एआरटीओ लक्ष्मण प्रसाद ने सभी को सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई। टीएसआई ट्रांसपोर्ट हरीमोहन त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृति ट्रेनिंग सेल की सीनियर मैनेजर अनुजा गुप्ता ने किया। संस्कृति स्कूल आफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंस के डीन डा. डीके तौमर, कार्यक्रम समन्वयक सगारिका गोस्वामी, थानाध्यक्ष छाता पुलिस संजीव कुमार दुबे, सर्किल आफिसर ट्रैफिक धर्मेंद्र चौहान, टीएसआई प्रमोद पचौरी, टीएसआई साने आलम, कांस्टेबल सतीश कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

******

संस्कृति विवि के सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण।

संस्कृति विवि और ग्लोबल टैलेंट ट्रैक के मध्य हुआ महत्वपूर्ण एमओयू

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय और ग्लोबल टैलेंट ट्रैक फाउंडेशन के मध्य एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते के अनुसार कंपनी द्वारा संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित किए जाएंगे। एमओयू पर संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एनबी चेट्टी की अनुमति से रजिस्ट्रार पूरन सिंह तथा कंपनी के प्रतिनिधि विदित ने हस्ताक्षर किए।

संस्कृति विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने जानकारी देते हुए हुए बताया कि कंपनियों की जरूरतों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी से हो रहे परिवर्तन के इस दौर में विद्यार्थियों के कौशल ज्ञान के निरंतर उन्नयन की आवश्यकता है। ऐसे में ग्लोबल टैलेंट ट्रैक कंपनी विद्यार्थियों के लिए इन परिवर्तनों के अनुसार आवश्यक सभी तरह के प्रशिक्षण की व्यवस्था करती है।

समझौते के अनुसार कंपनी संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए उनके कौशल को समयानुरूप विकसिस करने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करेगी और इन ट्रेनिंग प्रोग्राम के द्वारा लाइफ स्किल्स की ट्रेनिंग देगी।

रजिस्ट्रार पूरन सिंह ने बताया कंपनी द्वारा संस्कृति विवि के विद्यार्थियों को नौकरी के लिए होने वाले साक्षात्कार के लिए परफेक्शन के साथ तैयार किया जाएगा ताकि उनको प्लेसमेंट मिलने में दिक्कत न हो।

कंपनी द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी एक स्वस्थ जीवन संतुलन के साथ अपने कैरियर की शुरुआत कर सकेंगे और अपने व्यावसायिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। जीटीटी फाउंडेशन के सहयोग से संस्कृति विवि के विद्यार्थियों का यह उन्नयन उनको प्लेसमेंट दिलाने और उनके स्वयं के जीवन में उत्कृष्टता में मददगार साबित होगा।

******

संस्कृति विश्वविद्यालय और ग्लोबल टैलेंट ट्रैक फाउंडेशन के बीच एक हुए समझौते के दौरान संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर एनबी चेट्टी और जीटीटी फाउंडेशन के प्रतिनिधि विदित। साथ में हैं रजिस्ट्रार पूरन सिंह, असिस्टेंट रजिस्टार रवि त्रिवेदी भी मौजूद रहे।